

**द्वितीय सेमेस्टर**  
**उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज**

अधिन्यास (Assignment)

2022-2023

स्नातक कला कार्यक्रम (बी०ए०)  
Bachelor of Art Programme (B.A.)

विषय – संस्कृत

Subject : Sanskrit

कोर्स शीर्षक : उत्तररामचरितम् (तृतीय अंकपर्यन्त)  
छन्दोऽलंकारमंजूषा

Course Title :

विषय कोड : यू.जी.एस.टी

Subject Code : UGST

कोर्स कोड : यू०जी०एस०टी० 102

Course Code : UGST-102

अधिकतम अंक : 30  
MaximumMarks: 30

नोट : दीर्घ उत्तरीय प्रश्न । प्रश्नों के अपने उत्तर 800 से 1000 शब्दों में लिखें । सभी प्रश्न अनिवार्य हैं ।

Note: Long Answer Questions. Answer should be given in 800 to 1000 words.  
Answer all questions. All questions are compulsory.

**Section – A**

**खण्ड - अ**

अधिकतम अंक : 18  
MaximumMarks:18

- प्रश्न-1 निम्नलिखित श्लोकों का हिन्दी में अनुवाद कीजिए – 6
- क) एतानि तानि गिरिनिर्झरिणीतटेषु  
वैखानसाश्चि तरुणि तपोवनानि ।  
येष्वातिथेयपरमाः शमिनो भजन्ते,  
नीवारमुष्टिपचना गृहिणो गृहाणि ॥
- ख) यधेच्छा भोग्यं वो वनमिदमयं मे सुदिवसः  
सतां सदिभः सङ्गः कथमपि हि पुण्येन भवति ।  
तरुच्छाया तोयं यदपि तपसो योग्यमशनं  
फलं वा मूलं वा तदपि न पराधीनमिह वः ॥
- प्रश्न-2 निम्नलिखित श्लोक की संस्कृत में ससन्दर्भ व्याख्या कीजिए – 6
- i. लौकिकानां हि साधूनामथ वागनुवर्तते ।  
ऋषीणां पुनराद्यानां वाचमर्थोऽनुधावति ॥  
अथवा
- ii. ब्रह्मादयो ब्रह्महिताय तप्त्वा  
परःसहस्राः शरदस्तपांसि ।  
एतान्यपश्यन्गुरवः पुराणाः  
स्वान्येव तेजांसि तपोमयानि ।
- प्रश्न-3 महाकवि भवभूति के व्यक्तित्व एवं कर्तृत्व पर प्रकाश डालिए । 6

**Section – B**

**खण्ड - ब**

अधिकतम अंक : 12  
MaximumMarks:12

**नोट : लघु उत्तरीय प्रश्न/प्रश्नों के उत्तर 200 से 300 शब्दों में लिखें। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।**

- प्रश्न-4 निम्नलिखित सूक्तियों की हिन्दी में व्याख्या कीजिए – 2  
(क) यथा स्त्रीणां तथा वाचां साधुत्वे दुर्जनो जनः।  
(ख) पुटपाकप्रतीकाशो रामस्य करुणो रसः।
- प्रश्न-5 अधोलिखित में से किसी दो अलंकारों का उदाहरण सहित लक्षण लिखिए – 2  
श्लेष, अनुप्रास, अतिशयोक्ति एवं उपमा
- प्रश्न-6 अधोलिखित में से किसी दो छन्द का लक्षण स्पष्ट कीजिए।। 2  
अनुष्टुप्, पशस्थ, इन्द्रवज्रा, स्रनग्घरा, शिखरिणी।
- प्रश्न-7 नायक के भेद स्पष्ट करते हुए, उत्तररामचरित नाटक के नायक की कोटि स्पष्ट कीजिए। 2
- प्रश्न-8 निम्नलिखित श्लोक का संन्दर्भ सहित हिन्दी में अर्थ बताइए। 2  
वज्रादपि कठोराणि मृदूनि कुसुमादपि  
लोकोत्तराणां चेतांसि को नु विज्ञातुमर्हति।।
- प्रश्न-9 'उत्तरेरामचरिते भवभूतिर्विशिष्यते' –की संक्षेप में व्याख्या कीजिए। 2